

Rom

Chapter 3

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1 τί οὖν τὸ περισσὸν τοῦ Ἰουδαίου? ἢ τίς ἢ ὠφέλεια τῆς
क्या तो थे लाभ का यहूदी या क्या थे लाभ का
[G5101](#) [G3767](#) [G3588](#) [G4053](#) [G3588](#) [G2453](#) [G2228](#) [G5101](#) [G3588](#) [G5622](#) [G3588](#)

περιτομῆς?

खतना

[G4061](#)

| सो यहूदी होने का क्या लाभ या खतने का क्या मूल्य?

2 πολὺ κατὰ πάντα τρόπον, πρῶτον μὲν γὰρ ὅτι ἐπιστεύθησαν τὰ λόγια
बहुत में सब तरीके-से पहले तो क्योंकि कि सौंपे-गये वे वचन
[G4183](#) [G2596](#) [G3956](#) [G5158](#) [G4412](#) [G3303](#) [G1063](#) [G3754](#) [G4100](#) [G3588](#) [G3051](#)

τοῦ Θεοῦ.

के परमेश्वर

[G3588](#) [G2316](#)

| हर प्रकार से बहुत कुछ। क्योंकि सबसे पहले परमेश्वर का उपदेश तो उन्हें ही सौंपा गया।

3 τί γὰρ εἰ ἠπίστησάν τινες? μὴ ἢ ἀπιστία αὐτῶν, τὴν πίστιν τοῦ
क्या क्योंकि यदि अविश्वासी-हुए कुछ क्या थे अविश्वास उनका थे विश्वास का
[G5101](#) [G1063](#) [G1487](#) [G0569](#) [G5100](#) [G3361](#) [G3588](#) [G0570](#) [G0846](#) [G3588](#) [G4102](#) [G3588](#)

Θεοῦ καταργήσει?

परमेश्वर निरस्त-करेगा

[G2316](#) [G2673](#)

| यदि उनमें से कुछ विश्वासघाती हो भी गये तो क्या है? क्या उनका विश्वासघातीपन परमेश्वर की विश्वासपूर्णता को बेकार कर देगा?

4 μὴ γένοιτο! γινέσθω δὲ ὁ Θεὸς ἀληθής, πᾶς δὲ ἄνθρωπος ψεύστης,
न हो माना-जाए परन्तु थे परमेश्वर सच्चा हर परन्तु मनुष्य झूठा
[G3361](#) [G1096](#) [G1096](#) [G1161](#) [G3588](#) [G2316](#) [G0227](#) [G3956](#) [G1161](#) [G0444](#) [G5583](#)

καθὼς γέγραπται, Ὅπως ἂν δικαιωθῆς ἐν τοῖς λόγοις σου, καὶ νικήσεις

जैसा लिखा-है ताकि कहीं धर्मी-ठहरे में तेरे वचनों तेरे और जीते

[G2531](#) [G1125](#) [G3704](#) [G0302](#) [G1344](#) [G1722](#) [G3588](#) [G3056](#) [G4771](#) [G2532](#) [G3528](#)

ἐν τῷ κρίνεσθαί σε.

में थे न्याय-किये-जाने तू

[G1722](#) [G3588](#) [G2919](#) [G4771](#)

| निश्चय ही नहीं, यदि हर कोई झूठा भी है तो भी परमेश्वर सच्चा ठहरेगा। जैसा कि शास्त्र में लिखा है: “ताकि जब तू कहे तू उचित सिद्ध हो और जब तेरा न्याय हो, तू विजय पाये।”

5 εἰ δὲ ἢ ἀδικία ἡμῶν, Θεοῦ δικαιοσύνην συνίστησιν, τί ἐροῦμεν?
यदि परन्तु हमारा अधर्म हमारा परमेश्वर-की धार्मिकता स्थापित-करता-है क्या कहेंगे
[G1487](#) [G1161](#) [G3588](#) [G0093](#) [G1473](#) [G2316](#) [G1343](#) [G4921](#) [G5101](#) [G2046](#)

μὴ ἄδικος ὁ Θεός, ὁ ἐπιφέρων τὴν ὀργήν? κατὰ ἄνθρωπον λέγω.

क्या अन्यायी थे परमेश्वर जो लाता-है थे क्रोध में मनुष्य कहता-हूँ

[G3361](#) [G0094](#) [G3588](#) [G2316](#) [G3588](#) [G2018](#) [G3588](#) [G3709](#) [G2596](#) [G0444](#) [G3004](#)

| सो यदि हमारी अधार्मिकता परमेश्वर की धार्मिकता सिद्ध करे तो हम क्या कहें? क्या यह कि वह अपना कोप हम पर प्रकट करके अन्याय नहीं करता? (में एक मनुष्य के रूप में अपनी बात कह रहा हूँ।)

6 μὴ γένοιτο! ἔπειδὴ πῶς κρινεῖ ὁ Θεὸς τὸν κόσμον?
 न ही अन्यथा कैसे न्याय-करेगा थे परमेश्वर थे संसार-का
[G3361](#) [G1096](#) [G1893](#) [G4459](#) [G2919](#) [G3588](#) [G2316](#) [G3588](#) [G2889](#)

| निश्चय ही नहीं, नहीं तो वह जगत का न्याय कैसे करेगा।

7 εἰ δὲ ἡ ἀλήθεια τοῦ Θεοῦ, ἐν τῷ ἐμῷ ψεύσματι, ἐπερίσσευσεν
 यदि परन्तु थे सत्य का परमेश्वर में थे मेरे झूठ बढ़ा
[G1487](#) [G1161](#) [G3588](#) [G0225](#) [G3588](#) [G2316](#) [G1722](#) [G3588](#) [G1699](#) [G5582](#) [G4052](#)

εἰς τὴν δόξαν αὐτοῦ, τί ἔστι καὶ ὡς ἀμαρτωλὸς κρίνομαι?
 की-ओर उसकी महिमा उसकी क्यों फिर-भी मैं-भी जैसे पापी न्याय-किया-जाता-हूँ
[G1519](#) [G3588](#) [G1391](#) [G0846](#) [G5101](#) [G2089](#) [G2504](#) [G5613](#) [G0268](#) [G2919](#)

| किन्तु तुम कह सकते हो: “जब मेरी मिथ्यापूर्णता से परमेश्वर की सत्यपूर्णता और अधिक उजागर होती है तो इससे उसकी महिमा ही होती है, फिर भी मैं दोषी करार क्यों दिया जाता हूँ?”

8 καὶ μὴ, καθὼς βλασφημοῦμεθα, καὶ καθὼς φασίν τινες ἡμᾶς λέγειν, ὅτι
 और नहीं जैसा निन्दा-किये-जाते-हैं और जैसे कहते-हैं कुछ हमें कहना कि
[G2532](#) [G3361](#) [G2531](#) [G0987](#) [G2532](#) [G2531](#) [G5346](#) [G5100](#) [G1473](#) [G3004](#) [G3754](#)

Ποιήσωμεν τὰ κακὰ, ἵνα ἔλθῃ τὰ ἀγαθὰ? ὧν τὸ κρίμα ἔνδικόν ἐστιν.
 करें वे बुराई ताकि आए वे भलाई जिनका थे न्याय न्यायसंगत है
[G4160](#) [G3588](#) [G2556](#) [G2443](#) [G2064](#) [G3588](#) [G0018](#) [G3739](#) [G3588](#) [G2917](#) [G1738](#) [G1510](#)

| और फिर क्यों न कहे: “आओ! बुरे काम करें ताकि भलाई प्रकट हो।” जैसा कि हमारे बारे में निन्दा करते हुए कुछ लोग हम पर आरोप लगाते हैं कि हम ऐसा करते हैं। ऐसे लोग दोषी करार दिये जाने योग्य हैं। वे सभी दोषी हैं।

9 τί οὖν? προεχόμεθα? οὐ πάντως; προητιασάμεθα γὰρ, Ἰουδαίου τε
 क्या तो श्रेष्ठ-हैं नहीं बिल्कुल दोष-लगाया-है क्योंकि यहूदियों भी
[G5101](#) [G3767](#) [G4284](#) [G3756](#) [G3843](#) [G4256](#) [G1063](#) [G2453](#) [G5037](#)

καὶ Ἑλλήνων, πάντας ὑφ' ἀμαρτίαν εἶναι.
 और यूनानियों सबों नीचे पाप होने-का
[G2532](#) [G1672](#) [G3956](#) [G5259](#) [G0266](#) [G1510](#)

| तो फिर हम क्या कहें? क्या हम यहूदी और यहूदियों से किसी भी तरह अच्छे हैं, नहीं बिल्कुल नहीं। क्योंकि हम यह दर्शा चुके हैं कि चाहे यहूदी हों, चाहे और यहूदी सभी पाप के वश में हैं।

10 καθὼς γέγραπται, ὅτι Οὐκ ἔστιν δίκαιος, οὐδὲ εἷς;
 जैसा लिखा-है कि नहीं है धर्मी न-ही एक-भी
[G2531](#) [G1125](#) [G3754](#) [G3756](#) [G1510](#) [G1342](#) [G3761](#) [G1520](#)

| शास्त्र कहता है: “कोई भी धर्मी नहीं, एक भी!”

11 οὐκ ἔστιν ὁ συνίων; οὐκ ἔστιν ὁ ἐκζητῶν τὸν Θεόν.
 नहीं है जो समझनेवाला नहीं है जो खोजनेवाला थे परमेश्वर-को
[G3756](#) [G1510](#) [G3588](#) [G4920](#) [G3756](#) [G1510](#) [G3588](#) [G1567](#) [G3588](#) [G2316](#)

| कोई समझदार नहीं, एक भी! कोई ऐसा नहीं, जो प्रभु को खोजता!

12 πάντες ἐξέκλιναν, ἅμα ἠχρεώθησαν; οὐκ ἔστιν ὁ ποιῶν χρηστότητα, οὐκ
 सब भटक-गए एक-साथ निकम्मे-हो-गए नहीं है जो करनेवाला भलाई नहीं
[G3956](#) [G1578](#) [G0260](#) [G0889](#) [G3756](#) [G1510](#) [G3588](#) [G4160](#) [G5544](#) [G3756](#)

ἔστιν ἕως ἐνός.
 है तक एक-भी
[G1510](#) [G2193](#) [G1520](#)

| सब भटक गए, वे सब ही निकम्मे बन गए, साथ-साथ सब के सब, कोई भी यहाँ पर दया तो दिखाता नहीं, एक भी नहीं!”

13 τάφος ἀνεωγμένος ὁ λάρυγξ αὐτῶν; ταῖς γλώσσαις αὐτῶν ἐδολιοῦσαν; ἰὸς
कब्र खुली-हुई उनका गला उनका अपनी जीभों-से उनकी छल-करते-थे ज़हर
[G5028](#) [G0455](#) [G3588](#) [G2995](#) [G0846](#) [G3588](#) [G1100](#) [G0846](#) [G1387](#) [G2447](#)

ἀσαίδων ὑπὸ τὰ χεῖλη αὐτῶν;
साँपों-का नीचे उनके होंठों उनके
[G0785](#) [G5259](#) [G3588](#) [G5491](#) [G0846](#)

“उनके मुँह खुली कब्र से बने हैं, वे अपनी जीभ से छल करते हैं।” “उनके होंठों पर नाग विष रहता है।”

14 ὦν τὸ στόμα, ἄρᾶς καὶ πικρίας γέμει;
जिनका थे मुँह शाप-से और कड़वाहट-से भरा-है
[G3739](#) [G3588](#) [G4750](#) [G0685](#) [G2532](#) [G4088](#) [G1073](#)

“शाप से कटुता से मुँह भरे रहते है।”

15 ὄξεις οἱ πόδες αὐτῶν, ἐκχέαι αἷμα;
तेज़ उनके पैर उनके बहाने-को लहू
[G3691](#) [G3588](#) [G4228](#) [G0846](#) [G1632](#) [G0129](#)

“हत्या करने को वे हरदम उतावले रहते है।

16 σύντριμμα καὶ τालαιπωρία ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν;
विनाश और दुख में उनके मार्गों उनके
[G4938](#) [G2532](#) [G5004](#) [G1722](#) [G3588](#) [G3598](#) [G0846](#)

वे जहाँ कहीं जाते नाश ही करते हैं, संताप देते हैं।

17 καὶ ὁδὸν εἰρήνης οὐκ ἔγνωσαν;
और मार्ग शान्ति-का नहीं जाना
[G2532](#) [G3598](#) [G1515](#) [G3756](#) [G1097](#)

उनको शांति के मार्ग का पता नहीं।”

18 οὐκ ἔστιν φόβος Θεοῦ ἀπέναντι τῶν ὀφθαλμῶν αὐτῶν.
नहीं है भय परमेश्वर-का सामने उनकी आँखों उनकी
[G3756](#) [G1510](#) [G5401](#) [G2316](#) [G0561](#) [G3588](#) [G3788](#) [G0846](#)

“उनकी आँखों में प्रभु का भय नहीं है।”

19 Οἶδαμεν δὲ, ὅτι ὅσα ὁ νόμος λέγει, τοῖς ἐν τῷ νόμῳ λαλεῖ,
जानते-हैं परन्तु कि जो-कुछ थे व्यवस्था कहती-है उन-को में थे व्यवस्था बोलती-है
[G1492](#) [G1161](#) [G3754](#) [G3745](#) [G3588](#) [G3551](#) [G3004](#) [G3588](#) [G1722](#) [G3588](#) [G3551](#) [G2980](#)

ἵνα πάντων στόμα φραγῆ, καὶ ὑπόδικος γένηται πᾶς ὁ κόσμος τῷ Θεῷ.
ताकि हर मुँह बन्द-हो और जवाबदेह बने सारा थे संसार को परमेश्वर
[G2443](#) [G3956](#) [G4750](#) [G5420](#) [G2532](#) [G5267](#) [G1096](#) [G3956](#) [G3588](#) [G2889](#) [G3588](#) [G2316](#)

अब हम यह जानते हैं कि व्यवस्था में जो कुछ कहा गया है, वह उन को सम्बोधित है जो व्यवस्था के अधीन हैं। ताकि हर मुँह को बन्द किया जा सके और सारा जगत परमेश्वर के दण्ड के योग्य ठहरे।

20 διότι ἐξ ἔργων νόμου, οὐ δικαιοθήσεται πᾶσα σὰρξ ἐνώπιον αὐτοῦ;
इसलिये से कर्मों व्यवस्था-के नहीं धर्मी-ठहराया-जाएगा कोई-भी शरीर सामने उसके
[G1360](#) [G1537](#) [G2041](#) [G3551](#) [G3756](#) [G1344](#) [G3956](#) [G4561](#) [G1799](#) [G0846](#)

διὰ γὰρ νόμου ἐπίγνωσις ἁμαρτίας.
द्वारा क्योंकि व्यवस्था पहचान पाप-की
[G1223](#) [G1063](#) [G3551](#) [G1922](#) [G0266](#)

व्यवस्था के कामों से कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के सामने धर्मी सिद्ध नहीं हो सकता। क्योंकि व्यवस्था से जो कुछ मिलता है, वह है पाप की पहचान करना।

21 Νυνὶ δὲ, χωρὶς νόμου, δικαιοσύνη Θεοῦ πεφανέρωται, μαρτυρουμένη ὑπὸ
 अब परन्तु बिना व्यवस्था धार्मिकता परमेश्वर-की प्रकट-हुई-है गवाही-दी-गई द्वारा
[G3570](#) [G1161](#) [G5565](#) [G3551](#) [G1343](#) [G2316](#) [G5319](#) [G3140](#) [G5259](#)

τοῦ νόμου καὶ τῶν προφητῶν;
 थे व्यवस्था और उन भविष्यवक्ताओं
[G3588](#) [G3551](#) [G2532](#) [G3588](#) [G4396](#)

किन्तु अब वास्तव में मनुष्य के लिये यह दर्शाया गया है कि परमेश्वर व्यवस्था के बिना ही उसे अपने प्रति सही कैसे बनाता है। निश्चय ही व्यवस्था और नबियों ने इसकी साक्षी दी है।

22 δικαιοσύνη δὲ Θεοῦ διὰ πίστεως Ἰησοῦ Χριστοῦ, εἰς πάντα τοὺς
 धार्मिकता परन्तु परमेश्वर-की द्वारा विश्वास यीशु मसीह-के की-ओर सबों उन-को
[G1343](#) [G1161](#) [G2316](#) [G1223](#) [G4102](#) [G2424](#) [G5547](#) [G1519](#) [G3956](#) [G3588](#)

πιστεύοντας, οὐ γὰρ ἐστὶν διαστολή.
 विश्वास-करनेवालों नहीं क्योंकि है अन्तर
[G4100](#) [G3756](#) [G1063](#) [G1510](#) [G1293](#)

सभी विश्वासियों के लिये यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा परमेश्वर की धार्मिकता प्रकट की गयी है बिना किसी भेदभाव के।

23 πάντες γὰρ ἥμαρτον καὶ ὑστεροῦνται τῆς δόξης τοῦ Θεοῦ,
 सबों-ने क्योंकि पाप-किया और रहित-हैं से महिमा की परमेश्वर
[G3956](#) [G1063](#) [G0264](#) [G2532](#) [G5302](#) [G3588](#) [G1391](#) [G3588](#) [G2316](#)

क्योंकि सभी ने पाप किये है और सभी परमेश्वर की महिमा से रहित है।

24 δικαιούμενοι δωρεὰν τῇ αὐτοῦ χάριτι, διὰ τῆς ἀπολυτρώσεως τῆς ἐν
 धर्मी-ठहराये-जाते-हैं मुफ्त-में थे उसके अनुग्रह-से द्वारा थे छुटकारा जो में
[G1344](#) [G1432](#) [G3588](#) [G0846](#) [G5485](#) [G1223](#) [G3588](#) [G0629](#) [G3588](#) [G1722](#)

Χριστῷ Ἰησοῦ,
 मसीह यीशु
[G5547](#) [G2424](#)

किन्तु यीशु मसीह में सम्पन्न किए गए अनुग्रह के छुटकारे के द्वारा उसके अनुग्रह से वे एक सेंटमेत के उपहार के रूप में धर्मी ठहराये गये हैं।

25 ὃν προέθετο ὁ Θεὸς ἰλαστήριον, διὰ [τῆς] πίστεως ἐν τῷ αὐτοῦ
 जिसे ठहराया थे परमेश्वर-ने प्रायश्चित द्वारा थे विश्वास में थे उसके
[G3739](#) [G4388](#) [G3588](#) [G2316](#) [G2435](#) [G1223](#) [G3588](#) [G4102](#) [G1722](#) [G3588](#) [G0846](#)

αἵματι, εἰς ἔνδειξιν τῆς δικαιοσύνης αὐτοῦ, διὰ τὴν πάρεσιν τῶν
 लहू की-ओर प्रदर्शन की धार्मिकता उसकी के-कारण थे उपेक्षा उन
[G0129](#) [G1519](#) [G1732](#) [G3588](#) [G1343](#) [G0846](#) [G1223](#) [G3588](#) [G3929](#) [G3588](#)

προγεγονότων ἁμαρτημάτων --
 पहले-हुए पापों-की
[G4266](#) [G0265](#)

परमेश्वर ने यीशु मसीह को, उसमें विश्वास के द्वारा पापों से छुटकारा दिलाने के लिये, लोगों को दिया। उसने यह काम यीशु मसीह के बलिदान के रूप में किया। ऐसा यह प्रमाणित करने के लिए किया गया कि परमेश्वर सहनशील है क्योंकि उसने पहले उन्हें उनके पापों का दण्ड दिये बिना छोड़ दिया था।

- 26 ἐν τῇ ἀνοχῇ τοῦ Θεοῦ; πρὸς τὴν ἔνδειξιν τῆς δικαιοσύνης αὐτοῦ
 में थे सहनशीलता की परमेश्वर की-ओर थे प्रदर्शन की धार्मिकता उसकी
[G1722](#) [G3588](#) [G0463](#) [G3588](#) [G2316](#) [G4314](#) [G3588](#) [G1732](#) [G3588](#) [G1343](#) [G0846](#)
- ἐν τῷ νῦν καιρῷ, εἰς τὸ εἶναι αὐτὸν δίκαιον, καὶ δικαιοῦντα τὸν
 में थे अब समय की-ओर थे होने-को वह धर्मी और धर्मी-ठहरानेवाला उसे-जो
[G1722](#) [G3588](#) [G3568](#) [G2540](#) [G1519](#) [G3588](#) [G1510](#) [G0846](#) [G1342](#) [G2532](#) [G1344](#) [G3588](#)
- ἐκ πίστεως Ἰησοῦ.
 से विश्वास यीशु-के
[G1537](#) [G4102](#) [G2424](#)

| आज भी अपना न्याय दर्शाने के लिए कि वह न्यायपूर्ण है और न्यायकर्ता भी है, उनका जो यीशु मसीह में विश्वास रखते हैं।

- 27 Ποῦ οὖν ἡ καύχησις? ἔξεκλείσθη. διὰ ποίου νόμου? τῶν ἔργων? οὐχί,
 कहाँ तो थे घमण्ड निकाला-गया द्वारा किस व्यवस्था उन कर्मों-की नहीं
[G4226](#) [G3767](#) [G3588](#) [G2746](#) [G1576](#) [G1223](#) [G4169](#) [G3551](#) [G3588](#) [G2041](#) [G3780](#)
- ἀλλὰ διὰ νόμου πίστεως.
 परन्तु द्वारा व्यवस्था विश्वास-की
[G0235](#) [G1223](#) [G3551](#) [G4102](#)

| तो फिर घमण्ड करना कहाँ रहा? वह तो समाप्त हो गया। भला कैसे? क्या उस विधि से जिसमें व्यवस्था जिन कर्मों की अपेक्षा करती है, उन्हें किया जाता है? नहीं, बल्कि उस विधि से जिसमें विश्वास समाया है।

- 28 λογιζόμεθα γὰρ δικαιοῦσθαι πίστει ἄνθρωπον, χωρὶς ἔργων νόμου.
 मानते-हैं क्योंकि धर्मी-ठहराया-जाता-है विश्वास-से मनुष्य बिना कर्मों व्यवस्था-के
[G3049](#) [G1063](#) [G1344](#) [G4102](#) [G0444](#) [G5565](#) [G2041](#) [G3551](#)

| कोई व्यक्ति व्यवस्था के कामों के अनुसार चल कर नहीं बल्कि विश्वास के द्वारा ही धर्मी बन सकता है।

- 29 ἡ Ἰουδαίων ὁ Θεὸς μόνον, οὐχὶ καὶ ἔθνων? ναὶ, καὶ ἔθνων,
 या यहूदियों-का थे परमेश्वर केवल नहीं भी अन्यजातियों-का हाँ भी अन्यजातियों-का
[G2228](#) [G2453](#) [G3588](#) [G2316](#) [G3440](#) [G3780](#) [G2532](#) [G1484](#) [G3483](#) [G2532](#) [G1484](#)

| या परमेश्वर क्या बस यहूदियों का है? क्या वह ग़ैर यहूदियों का नहीं है? हाँ वह ग़ैर यहूदियों का भी है।

- 30 εἶπερ εἷς ὁ Θεὸς ὃς δικαιοῦσει περιτομῆν ἐκ πίστεως, καὶ
 यदि-सचमुच एक थे परमेश्वर जो धर्मी-ठहराएगा खतना से विश्वास और
[G1512](#) [G1520](#) [G3588](#) [G2316](#) [G3739](#) [G1344](#) [G4061](#) [G1537](#) [G4102](#) [G2532](#)
- ἀκροβυστίαν διὰ τῆς πίστεως.
 खतनारहित-को द्वारा थे विश्वास
[G0203](#) [G1223](#) [G3588](#) [G4102](#)

| क्योंकि परमेश्वर एक है। वही उनको जिनका उनके विश्वास के आधार पर खतना हुआ है, और उनको जिनका खतना नहीं हुआ है उसी विश्वास के द्वारा, धर्मी ठहरायेगा।

- 31 νόμον οὖν καταργοῦμεν διὰ τῆς πίστεως? μὴ γένοιτο! ἀλλὰ νόμον
 व्यवस्था तो निरस्त-करते-हैं द्वारा थे विश्वास न हो परन्तु व्यवस्था-को
[G3551](#) [G3767](#) [G2673](#) [G1223](#) [G3588](#) [G4102](#) [G3361](#) [G1096](#) [G0235](#) [G3551](#)
- ἰσχύοντες.
 स्थापित-करते-हैं
[G2476](#)

| सो क्या, हम विश्वास के आधार पर व्यवस्था को व्यर्थ ठहरा रहे हैं? निश्चय ही नहीं। बल्कि हम तो व्यवस्था को और अधिक शक्तिशाली बना रहे हैं।